फाफामऊ जंक्शन का विस्तार

2803. **श्री राम पूजन पटेल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गंगा में स्नान के लिये प्रतिमाह तीन बार मेले में जाने वाले यात्रियों को सुविधायें दिये जाने की दृष्टि से फाफामऊ जंक्शन का शीघ्रतापूर्वक विस्तार किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त स्टेशन पर यात्रियों को सुविधायें प्रदान करने हेतु किसी शेड के भी निर्माण किये जाने का विचार है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है, और

(ग) क्या सरकार इस स्टेशन पर एक द्वितीय श्रेणी एवं प्रथम श्रेणी के प्रतीक्षालय का शीघ्र ही निर्माण करने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) (क) जी नहीं ।

(ख) जी नहीं। दूसरे दर्जे के प्रतीक्षालय, के अतिरिक्त, इस स्टेशन पर तीन प्लेटफार्म है, जिनमें से प्रत्येक पर 100' × 35' क्षेत्रफल का एक एक शेड पहले ही मौजूद है । वर्तमान आवश्यकताओं के लिये ये पर्याप्त है ।

(ग) इस स्टेशन पर 50 × 200' क्षेत्रफल के दूसरे दर्जे के एक प्रतीक्षालय की पहले ही व्यवस्था है । इस स्टेशन पर प्राप्त होने वाले ऊंचे दर्जे के यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए, यहां पहले दर्जे के प्रतीक्षालय का कोई औचित्य नहीं है ।

गाड़ियों की रफ्तार को बढ़ाया जाना

2804. **श्री राम पूजन पटेल :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अन्य देशों में रेल-गाड़ियों की गति को बढ़ाया जा रहा है ,

(ख) यदि हां, तो सबसे अधिक तेज रेलगाड़ी किस देश में चलाई जाती है तथा उसकी प्रतिघंटा गति क्या है;

(ग) हमारे देश में रेलगाड़ियों की गति धीमी किये जाने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या मेल गाड़ियों की गति को तत्काल बढ़ाये जाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ङ) यदि हां, तो उक्त योजना की की रूपरेखा क्या है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) विदेशी रेलों के बारे में जो साहित्य उपलब्ध है, उसमें उसकी गाड़ियों की अलग अलग रफ्तार नहीं दर्शायी गयी है । इसलिए यह कह पाना सम्भव नहीं है कि विश्व के अन्य देशों में सब से तेज रफ्तार वाली गाड़ी कौन सी है । बहरहाल, सुधार लाना संसार भर में एक सतत प्रक्रिया है ।

(ग) से (ङ) रेलपथ के बदलाव और चल-स्टाक की मरम्मत और अनुरक्षण के भारी बकाया कामों के सन्दर्भ में एवं उपयोगिता में सुधार लाने के लिए कोचिंग स्टाक को एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल करने के उद्देश्य से, कुछ गाड़ियों की अधिकतम अनुमेय रफ्तार 1-5-82 से घटाकर 110 कि० मी० प्रति घटा की बजाय 100 कि० मी० प्रति घंटा कर दी गयी थी । जैसे ही